

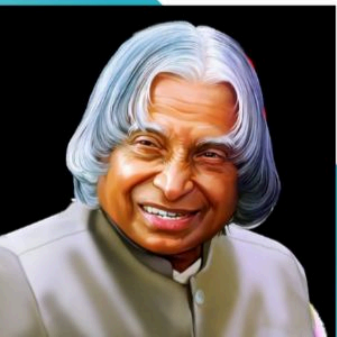
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 26 अक्टूबर 2026, अंक -385.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"सच्चा सुख दूसरों को सुखी करने में है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार





Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाएं हम।
हां, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाएं हम।
तुम्हीं से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूलें हम,
इतना बनें महान गगन को छु लें हम।
हां, इतना बनें महान गगन को छु लें हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्हीं से शाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत वंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारङ्ग प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. कोलंबिया की राजधानी क्या है?

उत्तर: बोगोटा

प्रश्न 2. भारत के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल कौन थे?

उत्तर: सी. राजगोपालाचारी

प्रश्न 3. 'नाटी' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?

उत्तर: हिमाचल प्रदेश

प्रश्न 4. 5/9 - 1/9 का मान कितना होगा?

उत्तर: 4/9

प्रश्न 5. बिहार का 'मनेर शरीफ' किस जिले में स्थित है?

उत्तर: पटना

प्रश्न 6. कौन-सा पक्षी अपने अंडे देने के लिए दूसरे पक्षियों के घोंसले का उपयोग करता है?

उत्तर: कोयल

प्रश्न 7. डायनामाइट के आविष्कारक कौन थे?

उत्तर: अल्फ्रेड नोबेल

प्रश्न 8. भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव कौन करता है?

उत्तर: संसद सदस्य

प्रश्न 9. 'जो दूसरों के प्रति दया रखता हो' - उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: दयालु

प्रश्न 10. सूर्य का प्रकाश पृथ्वी तक पहुँचने में लगभग कितना समय लेता है?

उत्तर: 8 मिनट

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Alliance - अलायंस - गठबंधन
- 2 Embassy - एम्बेसी - दूतावास
- 3 Ambassador - एम्बेसडर - राजदूत
- 4 Negotiation - नेगोशिएशन - वार्ता / बातचीत
- 5 Conflict - कॉन्फ्लिक्ट - संघर्ष / विवाद
- 6 Ceasefire - सीज़फायर - युद्धविराम
- 7 Sanction - सैंक्शन - प्रतिबंध / मंजूरी



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Who are you going to + V1 + with?"
(तुम किसके साथ ... करने वाले हो?)

तुम किसके साथ यात्रा करने वाले हो? - Who are you going to travel with?

तुम किसके साथ पढ़ाई करने वाले हो? - Who are you going to study with?

तुम किसके साथ बाजार जाने वाले हो? - Who are you going to go to the market with?

तुम किसके साथ क्रिकेट खेलने वाले हो? - Who are you going to play cricket with?

तुम किसके साथ इस परियोजना पर काम करने वाले हो? - Who are you going to work on this project with?



संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण

प्र.1. 26 अक्टूबर 1947 को महाराजा हरि सिंह द्वारा भारत संघ में जम्मू और कश्मीर के औपचारिक विलय हेतु हस्ताक्षरित ऐतिहासिक कानूनी दस्तावेज कौन-सा था? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: इंस्ट्रुमेंट ऑफ एक्सेशन (विलय पत्र / विलय दिवस)

व्याख्या: 26 अक्टूबर 1947 को जम्मू-कश्मीर रियासत के तत्कालीन शासक महाराजा हरि सिंह ने भारत संघ में शामिल होने हेतु औपचारिक 'इंस्ट्रुमेंट ऑफ एक्सेशन' (Instrument of Accession) पर हस्ताक्षर किए थे। पाकिस्तान समर्थित कबायली लड़ाकों और नियमित पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा किए गए 'ऑपरेशन गुलमर्ग' के तहत आक्रमण के बाद, महाराजा ने भारत सरकार से सैन्य सहायता की गुहार लगाई थी। 27 अक्टूबर 1947 को भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन ने इस विलय पत्र को स्वीकार किया और भारतीय सेना ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर उतरकर कबायलियों को पीछे खदेड़ा। इस उपलक्ष्य में जम्मू और कश्मीर में प्रतिवर्ष 26 अक्टूबर को आधिकारिक 'विलय दिवस' (Accession Day) मनाया जाता है।

संदर्भ: Ministry of Home Affairs Historical Archives; Instrument of Accession (Jammu & Kashmir) 1947;

प्र.2. वर्ष 1913 में 'गीतांजलि' के अंग्रेजी अनुवाद 'सॉन्ग ऑफ रिंग्स' हेतु साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर नोबेल जीतने वाले प्रथम भारतीय एवं एशियाई विभूति कौन बने थे? (समसामयिक/नोबेल विशेष)

उत्तर: गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर (टैगोर)

व्याख्या: गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर को वर्ष 1913 में 'साहित्य का नोबेल पुरस्कार' प्रदान किया गया था। वे यह सर्वोच्च वैश्विक सम्मान प्राप्त करने वाले प्रथम भारतीय, प्रथम एशियाई और गैर-यूरोपीय साहित्यकार थे। स्वीडिश अकादमी ने उनकी अमर काव्य कृति 'गीतांजलि' (Gitanjali) के गहन संवेदनशील, ताजे और सुंदर पदों की सराहना की, जिनके माध्यम से उन्होंने भारतीय आध्यात्मिक चिंतन को पश्चिमी जगत के समक्ष अत्यंत सहजता से प्रस्तुत किया। इस पुस्तक की भूमिका प्रसिद्ध आयरिश कवि डब्ल्यू. बी. यीट्स (W. B. Yeats) ने लिखी थी। गुरुदेव ने नोबेल पुरस्कार से प्राप्त संपूर्ण धनराशि को शान्तिनिकेतन में विश्वभारती विश्वविद्यालय के निर्माण और विस्तार में समर्पित कर दिया था।

संदर्भ: NobelPrize.org Official Archives — Rabindranath Tagore Facts & Award Citation; Visva-Bharati University Archives;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध सामाजिक उपन्यास है, जिसमें 1920 के दौर में सामाजिक आडंबर, वेश्याओं के उद्धार, मंदिर-प्रवेश और अमरकांत के माध्यम से किसानों के लगान-मुक्ति सत्याग्रह का विस्तृत आख्यान मिलता है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: कर्मभूमि (1932)

व्याख्या: 'कर्मभूमि' (1932) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक अत्यंत प्रभावशाली सामाजिक और राजनीतिक महाकाव्यात्मक उपन्यास है। इसकी कथा तत्कालीन संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश) के ग्रामीण और शहरी समाज के द्वंद्व को उजागर करती है। उपन्यास का नायक, अमरकांत रूढ़िवादी पारिवारिक सुखों का परित्याग कर गाँव की ओर जाता है और दलितों के मानवीय अधिकारों, अछूतों के उद्धार, मंदिर-प्रवेश तथा किसानों की लगान-बंदी के लिए शांतिपूर्ण सत्याग्रह का नेतृत्व करता है। प्रेमचंद ने इसमें दर्शाया है कि समाज के शोषित और वंचित वर्गों के सामूहिक जागरण से ही राष्ट्र का वास्तविक उत्थान और स्वाधीनता संभव है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'कर्मभूमि', सरस्वती प्रेस/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 साहित्य)

प्र.4. अत्यधिक मानवीय गतिविधियों और औद्योगिक विकास के कारण प्रजातियों के विलुप्त होने की वर्तमान दर सामान्य प्राकृतिक दर से सैकड़ों गुना तेज होने को भू-वैज्ञानिक किस महाविनाश की संज्ञा देते हैं? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: छठा सामूहिक विलोपन (Sixth Mass Extinction / Anthropocene Extinction)

व्याख्या: पृथ्वी के 4.5 अरब वर्षों के इतिहास में प्राकृतिक आपदाओं (उल्कापिंड, ज्वालामुखी) से अब तक 5 बड़े सामूहिक विलोपन (Big Five Extinctions) हो चुके हैं। वर्तमान समय में मानवीय गतिविधियों — वनों की अंधाधुंध कटाई, पर्यावास विनाश, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्रजातियों के अत्यधिक दोहन — के कारण जीव-जंतुओं और वनस्पतियों के लुप्त होने की गति प्राकृतिक पृष्ठभूमि दर से 100 से 1,000 गुना अधिक तीव्र हो गई है। वैज्ञानिक इसे 'छठा सामूहिक विलोपन' या 'एंथ्रोपोसीन विलोपन' कहते हैं। यह मानव जाति के अस्तित्व और पारिस्थितिक संतुलन के लिए सबसे गंभीर संकट है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 15 "जैव विविधता एवं संरक्षण", p. 280-284;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मंदसौर (मध्य प्रदेश) में मुगल राजवंश के किस राजकुमार ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया और स्वयं को स्वतंत्र शासक घोषित किया था? (इतिहास)

उत्तर: शहजादा फिरोज शाह

व्याख्या: शहजादा फिरोज शाह (1832-1877) 1857 के महान राष्ट्रीय विद्रोह के एक अत्यंत साहसी, जुझारू और सैन्य रूप से कुशल नेता थे। वे अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह ज़फ़र के भतीजे थे। मक्का की तीर्थयात्रा से लौटकर उन्होंने मध्य प्रदेश के मंदसौर को अपना केंद्र बनाया और स्वयं को स्वतंत्र शासक घोषित कर अफगान और मेवाती सैनिकों की एक विशाल विद्रोही सेना तैयार की। उन्होंने मध्य भारत, राजस्थान और बुंदेलखंड में ब्रिटिश सेनाओं को कई भीषण युद्धों में टक्कर दी। दिल्ली और लखनऊ के पतन के बाद भी उन्होंने तात्या टोपे और राव तुला राम के साथ मिलकर लंबे समय तक अंग्रेजों के खिलाफ छापामार युद्ध जारी रखा।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55-59;

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात से लेकर कन्याकुमारी तक विस्तृत पश्चिमी घाट (सहाद्री) का सर्वोच्च शिखर कौन-सा है, जो केरल के इडुक्की जिले में अन्नामलाई पहाड़ियों पर स्थित है? (भूगोल)
उत्तर: अनाईमुडी (Anaimudi - 2,695 मीटर)

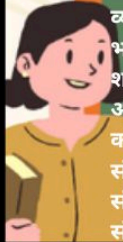
व्याख्या: अनाईमुडी (शाब्दिक अर्थ: हाथी का माथा) दक्षिण भारत और प्रायद्वीपीय भारत का सर्वोच्च पर्वत शिखर है, जिसकी समुद्र तल से कुल ऊँचाई 2,695 मीटर (8,842 फीट) है। यह शिखर केरल के इडुक्की जिले में अन्नामलाई पर्वत श्रेणी के भीतर 'इराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान' में स्थित है। यह तीन पहाड़ी श्रृंखलाओं — उत्तर में अन्नामलाई, दक्षिण में काईमम (इलायची) पहाड़ियों और उत्तर-पूर्व में पलनी पहाड़ियों — का मुख्य ग्रंथि बिंदु है। यह क्षेत्र संकटग्रस्त 'नीलगिरी तहर' और 'कुरिंजी' (नीलाकुरिंजी) के दुर्लभ पुष्पों के पर्यावास के लिए विश्वविख्यात है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 12-14;



प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि, राष्ट्रों के मध्य न्यायसंगत संबंधों तथा अंतरराष्ट्रीय संधियों के सम्मान का निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 51 (राज्य के नीति निर्देशक तत्व)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में सन्निहित राज्य की नीति के निदेशक तत्वों (DPSP) के अंतर्गत 'अनुच्छेद 51' भारत की विदेश नीति का संवैधानिक और नैतिक आधारस्तंभ है। यह स्पष्ट घोषित करता है कि राज्य: (क) अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का, (ख) राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत और सम्मानपूर्ण संबंधों को बनाए रखने का, (ग) अंतरराष्ट्रीय विधि और संधि-बाध्यताओं के प्रति आदर बढ़ाने का, तथा (घ) अंतरराष्ट्रीय विवादों के मध्यस्थता द्वारा निपटारे को प्रोत्साहन देने का प्रयास करेगा। इसी अनुच्छेद से भारत के 'पंचशील सिद्धांत' और 'गुटनिरपेक्षता' की नीति को संवैधानिक दिशा प्राप्त हुई।

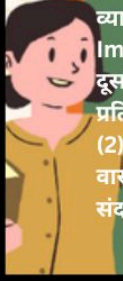
संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 51; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 Fundamental Rights & DPSPs, p. 43-46;



प्र.8. किसी लेंस या गोलीय दर्पण से प्रकाश परावर्तन/अपवर्तन के पश्चात जब प्रकाश किरणें वास्तव में किसी बिंदु पर प्रतिच्छेद करती हैं और जिसे पर्दे पर प्राप्त किया जा सकता है, तो बनने वाले प्रतिबिंब को क्या कहते हैं? (विज्ञान)
उत्तर: वास्तविक प्रतिबिंब (Real Image)

व्याख्या: प्रकाशिकी में प्रतिबिंब दो प्रकार के होते हैं: वास्तविक प्रतिबिंब (Real Image) और आभासी प्रतिबिंब (Virtual Image)। जब किसी वस्तु के किसी बिंदु से चलने वाली प्रकाश किरणें परावर्तन या अपवर्तन के पश्चात वास्तव में किसी दूसरे बिंदु पर मिलती (प्रतिच्छेद करती) हैं, तो वहाँ बनने वाले प्रतिबिंब को 'वास्तविक प्रतिबिंब' कहा जाता है। वास्तविक प्रतिबिंब की मुख्य विशेषताएं हैं: (1) इसे सिनेमा स्क्रीन, फोटोग्राफिक प्लेट या सफेद पर्दे पर सीधे प्राप्त किया जा सकता है; (2) यह वस्तु के सापेक्ष सदैव उल्टा (Inverted) बनता है; (3) अवतल दर्पण और उत्तल लेंस द्वारा अधिकांश स्थितियों में वास्तविक प्रतिबिंब ही निर्मित किए जाते हैं।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 176-180 एवं 190-193;



प्र.9. 13वीं शताब्दी में पूर्वी गंग वंश के प्रतापी सम्राट नरसिंहदेव प्रथम द्वारा ओडिशा के पुरी जिले में चंद्रभागा नदी के तट पर कलिंग शैली में निर्मित 'ब्लैक पैगोडा' के नाम से विख्यात सूर्य मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: कोणार्क का सूर्य मंदिर (Konark Sun Temple)

व्याख्या: कोणार्क का सूर्य मंदिर ओडिशा के पुरी जिले में स्थित कलिंग स्थापत्य कला का एक अप्रतिम और विश्वविख्यात शिखर है। इसका निर्माण 13वीं शताब्दी (लगभग 1250 ईस्वी) में पूर्वी गंग राजवंश के महान शासक नरसिंहदेव प्रथम ने करवाया था। यह संपूर्ण मंदिर 24 विशाल नक्काशीदार पहियों और 7 भव्य अश्वों द्वारा खींचे जाते हुए भगवान सूर्य के एक विशाल रथ के रूप में गढ़ा गया है। इसके पहियों की तीलियाँ धूपघड़ी (Sundial) का कार्य करती हैं, जो छाया देखकर सटीक समय बताती हैं। यूरोपीय नाविक इसके गहरे रंग और जहाजों को आकर्षित करने वाले चुंबकीय शिखर के कारण इसे 'ब्लैक पैगोडा' कहते थे। वर्ष 1984 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 74-77;



प्र.10. 1919 में स्वामी विद्यानंद के नेतृत्व में बिहार के दरभंगा, मधुबनी और पूर्णिया क्षेत्रों में दरभंगा राज के विरुद्ध संगठित हुआ शक्तिशाली आंदोलन कौन-सा था? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: किसान आंदोलन (दरभंगा राज विरोध)

व्याख्या: 1919-20 में बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र (दरभंगा, मधुबनी, सहरसा और पूर्णिया) में दरभंगा राज के महाराजा की शोषणकारी नीतियों, अत्यधिक लगान, वनों से लकड़ी चुनने पर रोक और चराई कर के विरुद्ध एक व्यापक कृषक आंदोलन भड़का। इस आंदोलन का नेतृत्व स्वामी विद्यानंद (वास्तविक नाम: विभूषण प्रसाद) ने किया। उन्होंने महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह से प्रेरणा लेकर रैयतों और छोटे किसानों को एकजुट किया। स्वामी विद्यानंद ने किसानों के अधिकारों के लिए 'बिहार प्रांतीय किसान सभा' के गठन से भी पहले किसान रैलियाँ आयोजित कीं और ब्रिटिश सरकार तथा दरभंगा राज को किसानों के शोषण की जांच हेतु विवश किया।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle & Peasant Movements;





प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W4 – सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार सड़क पर दोपहिया वाहन चलाते समय सामने चल रहे वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखने हेतु '2-सेकंड का नियम' (Two-Second Rule) क्या है, और मोड़ पर ओवरटेक करना क्यों गंभीर सड़क दुर्घटना का कारण बनता है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)
उत्तर: वाहन पार होने के बाद 2 सेकंड का अंतर रखना; अंधा मोड़ (Blind Spot) होने से सामने का वाहन न दिखना
व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W4: सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय (MoRTH) के सुरक्षा मानकों के अनुसार: (1) दो-सेकंड का नियम (Two-Second Rule) – सड़क पर अपने आगे चल रहे वाहन से सुरक्षित टेलगेटिंग दूरी मापने का यह अंतरराष्ट्रीय नियम है; जब आगे वाला वाहन सड़क किनारे किसी निश्चित खंभे या पेड़ को पार करे, तो अपने मन में "एक हजार एक, एक हजार दो" गिनें; यदि आपका वाहन 2 सेकंड पूरे होने से पहले ही उस बिंदु तक पहुँच जाता है, तो इसका अर्थ है कि आप बहुत पास चल रहे हैं और आगे वाले वाहन द्वारा अचानक ब्रेक लगाने पर टक्कर (Rear-end Collision) निश्चित है; अतः गति धीमी कर दूरी बढ़ाएं; (2) तीखे मोड़ों पर ओवरटेकिंग वर्जित – पहाड़ी या ग्रामीण सड़कों पर तीखे मोड़ (Blind Turns) के दौरान सामने से आ रहा ट्रैफिक दिखाई नहीं देता; मोड़ पर दाईं ओर से ओवरटेक करने पर सामने से तीव्र गति से आ रहे वाहन से आमने-सामने की भीषण टक्कर (Head-on Collision) हो जाती है; हमेशा मोड़ समाप्त होने और सीधी सड़क दिखने के बाद ही सुरक्षित ओवरटेक करें; (3) विद्यालय के समीप गति सीमा 20-25 किमी/घंटा ही रखें।
संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W4 – "सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी";



प्र.12. किसी समकोण त्रिभुज का कर्ण (Hypotenuse) 25 सेमी है तथा उसका आधार 24 सेमी है। बताइए उस समकोण त्रिभुज का क्षेत्रफल कितने वर्ग सेंटीमीटर होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)
उत्तर: 84 वर्ग सेमी
व्याख्या: यह समकोण त्रिभुज में पाइथागोरस प्रमेय और क्षेत्रफल के सूत्र पर आधारित एक मानक अंकगणितीय प्रश्न है।
समकोण त्रिभुज में: $\text{कर्ण}^2 = \text{आधार}^2 + \text{लम्बा}^2$
यहाँ दिया गया है:
कर्ण (h) = 25 सेमी, आधार (b) = 24 सेमी, मान प्रतिस्थापित करने पर: $(25)^2 = (24)^2 + \text{लम्बा}^2$, $625 = 576 + \text{लम्बा}^2$
 $\text{लम्बा}^2 = 625 - 576 = 49$, $\text{लम्बा} = \sqrt{49} = 7$ (लम्बा सेमी)। (7, 24, 25 एक मानक पाइथागोरियन त्रिक है)।
अब, समकोण त्रिभुज का क्षेत्रफल का सूत्र:
 $\text{क्षेत्रफल} = \frac{1}{2} \times \text{आधार} \times \text{लम्बा}$, $\text{क्षेत्रफल} = \frac{1}{2} \times 24 \times 7$
24 को 2 से विभाजित करने पर: $24 / 2 = 12$, $\text{क्षेत्रफल} = 12 \times 7 = 84$ (वर्ग सेमी)।
अतः उस समकोण त्रिभुज का अभीष्ट क्षेत्रफल ठीक 84 वर्ग सेंटीमीटर होगा।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 6 "त्रिभुज और उसके गुण" (पाइथागोरस गुण), p. 138–144;

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Alacrity (अलैक्रिटी) = Eagerness (ईगर्नेस) = तत्परता / उत्सुकता / फुर्ती
Antonym – Reluctance (रिलक्टन्स) = अनिच्छा / हिचकिचाहट
2. Commensurate (कमेनसुरेट) = Proportionate (प्रपोर्शनट) = अनुरूप / समानुपाती
Antonym – Disproportionate (डिस्पोरपोर्शनट) = असमानुपाती / बेमेल
3. Dispassionate (डिस्पैशनेट) = Impartial (इम्पार्शल) = निष्पक्ष / भावनारहित
Antonym – Prejudiced (प्रेजुडिस्ट) = पक्षपाती / पूर्वाग्रहग्रस्त
4. Enmity (एनमिटी) = Hostility (हॉस्टिलिटी) = शत्रुता / वैरभाव
Antonym – Amity (ऐमिटी) = मित्रता / सौहार्द
5. Perspicacious (पर्सपिकेशस) = Insightful (इनसाइटफुल) = सूक्ष्मदर्शी / दूरदर्शी / गहरी समझ वाला
Antonym – Obtuse (अबट्यूस) = मंदबुद्धि / समझने में धीमा



~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण।



"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



PM Modi to visit Varanasi and Bhubaneswar today; to inaugurate garment facility, witness IAF Day aerial display, and open RBI Data Centre

हिन्दी अनुवाद: प्रधानमंत्री मोदी आज वाराणसी और भुवनेश्वर की यात्रा करेंगे; परिधान सुविधा का उद्घाटन, वायु सेना दिवस हवाई प्रदर्शन देखेंगे, RBI डेटा सेंटर खोलेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वाराणसी में अरविंद लिमिटेड की नई परिधान निर्माण सुविधा का उद्घाटन करेंगे। वे नमो घाट पर वायु सेना दिवस हवाई प्रदर्शन-2026 के मुख्य अतिथि होंगे। इसके बाद भुवनेश्वर में RBI के डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन करेंगे। UPSC/BPSC के लिए: RBI — भारतीय रिज़र्व बैंक; Cybersecurity Training Institute — साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान; IAF Day — वायु सेना दिवस।

Raksha Mantri calls for unified action to dismantle entire ecosystem of terrorism at 25th SCO Council of Heads of Government Meeting

हिन्दी अनुवाद: 25वें SCO सरकार प्रमुखों परिषद बैठक में रक्षा मंत्री ने आतंकवाद के पूरे तंत्र को नष्ट करने के लिए संयुक्त कार्रवाई का आह्वान किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने SCO सरकार प्रमुखों की 25वीं परिषद बैठक में आतंकवाद के पूरे तंत्र को नष्ट करने के लिए संयुक्त कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार और आपूर्ति शृंखला में बाधा, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा की चिंता तथा उभरते तकनीकी विभाजन से चिह्नित अनिश्चित वैश्विक आर्थिक माहौल को संबोधित करने के लिए SCO को सहमति बनाने और उसे ठोस कार्रवाई में बदलने की जरूरत पर जोर दिया। UPSC/BPSC के लिए: SCO — शंघाई सहयोग संगठन; Counter-terrorism — आतंकवाद रोधी; Energy and food security — ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा।

Cabinet approves ₹1.86 lakh crore Green Energy Corridor Phase-III; 135 GW renewable energy evacuation target

हिन्दी अनुवाद: मंत्रिमंडल ने 1.86 लाख करोड़ रुपये के ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर फेज़-III को मंजूरी दी; 135 GW नवीकरणीय ऊर्जा निष्कासन लक्ष्य। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर फेज़-III (GEC-III) योजना को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 135 GW नवीकरणीय ऊर्जा के निष्कासन के लिए अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन प्रणाली को मजबूत करना है। योजना में 50 GWh बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS) की तैनाती भी शामिल है। UPSC/BPSC के लिए: GEC-III — ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर फेज़-III; BESS — बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली; InSTS — अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन प्रणाली।

INTERNATIONAL NEWS

Saudi Arabia downs 10 Houthi ballistic missiles and a drone over Riyadh; airport reopens; safety warnings issued

हिन्दी अनुवाद: सऊदी अरब ने रियाद के ऊपर 10 हूती बैलिस्टिक मिसाइल और एक ड्रोन रोके; हवाई अड्डा फिर से खुला; सुरक्षा चेतावनी जारी। सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने रियाद की ओर दागी गई 10 हूती बैलिस्टिक मिसाइलों और एक ड्रोन को रोकने का दावा किया। रियाद का किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा फिर से खुल गया है। सऊदी अरब ने रियाद और अन्य क्षेत्रों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। UPSC/BPSC के लिए: Houthi rebels — हूति विद्रोही; Ballistic missile — बैलिस्टिक मिसाइल; King Khalid International Airport — किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा।

Saudi Arabia says missile debris from Houthi attacks injures 2, damages 3 homes; Qatari mediators in Tehran for US-coordinated effort

हिन्दी अनुवाद: सऊदी अरब ने कहा कि हूति हमलों के मिसाइल मलबे से दो घायल, तीन घर क्षतिग्रस्त; कतरी मध्यस्थ अमेरिकी समन्वित प्रयास के लिए तेहरान में। सऊदी अरब ने कहा कि हूती हमलों के मिसाइल मलबे से दो लोग घायल हुए और तीन घर क्षतिग्रस्त हुए। कतरी मध्यस्थ अमेरिकी-समन्वित प्रयास के तहत तनाव कम करने के लिए तेहरान में है। UPSC/BPSC के लिए: Missile debris — मिसाइल मलबा; Qatari mediators — कतरी मध्यस्थ; US-coordinated effort — अमेरिकी समन्वित प्रयास।

Intel finds Iran has 'substantially increased' efforts to target US officials abroad; Saudi Arabia issues safety warnings for Riyadh, other regions

हिन्दी अनुवाद: खुफिया एजेंसी ने पाया कि ईरान ने विदेश में अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने के प्रयासों को 'काफी बढ़ाया' है; सऊदी अरब ने रियाद और अन्य क्षेत्रों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की। अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने पाया कि ईरान ने विदेश में अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने के प्रयासों को काफी बढ़ाया है। सऊदी अरब ने रियाद और अन्य क्षेत्रों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। UPSC/BPSC के लिए: Intel — खुफिया एजेंसी; US officials — अमेरिकी अधिकारी; Safety warnings — सुरक्षा चेतावनी।

BIHAR NEWS

Bihar floods affect nearly 50 lakh people across 15 districts; CM transfers ₹112 crore relief via DBT to over 1.6 lakh families

हिन्दी अनुवाद: बिहार में 15 जिलों में लगभग 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित; CM ने 1.6 लाख से अधिक परिवारों को DBT के जरिए 112 करोड़ रुपये की राहत भेजी।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, पटना, भोजपुर और सारण सहित 15 जिलों में 49.67 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 1,60,201 प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में 112.14 करोड़ रुपये की राहत राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के जरिए भेजी। राज्य सरकार ने प्रति परिवार 7,000 रुपये की सहायता देने की व्यवस्था की है। UPSC/BPSC के लिए: DBT — प्रत्यक्ष लाभ अंतरण; Disaster Management Department — आपदा प्रबंधन विभाग; Flood relief — बाढ़ राहत।

Gandak river reaches record 91.25 metres at Bagaha gauge; 169 seepage/piping points secured; Champaran embankment damaged at two locations

हिन्दी अनुवाद: बागहा गेज साइट पर गंडक नदी रिकॉर्ड 91.25 मीटर पर पहुँची; 169 रिसाव/पाइपिंग बिंदु सुरक्षित; चंपारण तटबंध दो स्थानों पर क्षतिग्रस्त।

नेपाल में तीव्र, अल्पकालिक वर्षा के बाद बिहार में गंडक नदी ने बागहा गेज साइट पर अब तक का सर्वोच्च जलस्तर 91.25 मीटर दर्ज किया। उच्च निस्सरण ने नदी के तटबंधों पर दबाव डाला, जिससे कई स्थानों पर रिसाव, पाइपिंग और ऊपर से पानी बहने (overtopping) की स्थिति बनी। अब तक 169 रिसाव/पाइपिंग प्रभावित बिंदुओं को तत्काल उपायों से सुरक्षित किया गया है। पश्चिम चंपारण जिले में गंडक नदी के बाएं तट पर चंपारण तटबंध को दो स्थानों पर क्षति पहुँची। UPSC/BPSC के लिए: Gandak river — गंडक नदी; Seepage and piping — रिसाव और पाइपिंग; Embankment damage — तटबंध क्षति।

SPORTS NEWS

India beat New Zealand by 4 wickets in 2nd T20I; take 2-0 lead in five-match series; become first team to 200 T20I wins

हिन्दी अनुवाद: भारत ने दूसरे T20I में न्यूज़ीलैंड को चार विकेट से हराया; पाँच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बनाई; 200 T20I जीत हासिल करने वाली पहली टीम बनी।

क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में भारत ने 181 रन का लक्ष्य एक गेंद बाकी रहते हासिल किया। तिलक वर्मा ने 26 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए और नीतीश कुमार रेड्डी ने 13 गेंदों पर नाबाद 26 रन बनाए। भारत ने चार विकेट से जीत दर्ज की और पाँच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बनाई। यह भारत का 200वां T20I जीत है। UPSC/BPSC के लिए: T20I — ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय; BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड; Hagley Oval — हैगले ओवल।

India become first team to 200 T20I wins; New Zealand trail 2-0 in five-match series

हिन्दी अनुवाद: भारत 200 T20I जीत हासिल करने वाली पहली टीम बनी; न्यूज़ीलैंड पाँच मैचों की श्रृंखला में 2-0 से पीछे।

भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरे T20I में जीत के साथ 200वाँ T20I जीत हासिल की। यह पुरुषों के T20I प्रारूप में 200 प्रत्यक्ष जीत हासिल करने वाली पहली टीम है। भारत ने अपने 300वें T20I में यह उपलब्धि हासिल की। UPSC/BPSC के लिए: T20I wins — T20I जीत; Men's team — पुरुष टीम; 300th T20I — 300वां T20I।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

“कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन सीमा: मरीजों को सालाना ₹2,500 करोड़ की बचत की संभावना”

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कैंसर रोधी दवाओं पर MRP के 30% तक ट्रेड मार्जिन की सीमा लगाने से मरीजों को सालाना लगभग ₹2,500 करोड़ की बचत हो सकती है। प्रस्तावित उपाय से इन दवाओं की कीमतें 20-70% तक घट सकती हैं।

प्रेरक प्रसंग चाणक्य की परीक्षा

एक दिन आचार्य चाणक्य ने अपने तीन शिष्यों को बुलाया और प्रत्येक को एक मुट्ठी बीज दिए।

उन्होंने कहा, “इन्हें ऐसी जगह रखो जहाँ तुम्हें उचित लगे। कुछ समय बाद मैं तुमसे इनके बारे में पूछूँगा।”

पहले शिष्य ने बीजों को एक सुंदर डिब्बे में रख दिया। दूसरे ने उन्हें मिट्टी में बो दिया, लेकिन नियमित देखभाल नहीं की। तीसरे ने उन्हें उपयुक्त भूमि में बोया, पानी दिया और पौधों की रक्षा की।

कुछ समय बाद चाणक्य ने तीनों को बुलाया।

पहले शिष्य ने बीजों को एक सुंदर डिब्बे में रख दिया। दूसरे ने उन्हें मिट्टी में बो दिया, लेकिन नियमित देखभाल नहीं की। तीसरे ने उन्हें उपयुक्त भूमि में बोया, पानी दिया और पौधों की रक्षा की।

कुछ समय बाद चाणक्य ने तीनों को बुलाया।

पहले शिष्य ने डिब्बा खोलकर बीज दिखाए। दूसरे के कुछ पौधे सूख चुके थे। तीसरा अपने स्वस्थ पौधों के साथ आया।

चाणक्य ने पूछा, “तुममें से किसने बीजों का सबसे अच्छा उपयोग किया?”

पहले ने कहा, “मैंने बीज सुरक्षित रखे।”

दूसरे ने कहा, “मैंने उन्हें बोया।”

तीसरे ने उत्तर दिया, “मैंने उन्हें उगने के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ दीं।”

चाणक्य ने कहा, “ज्ञान भी बीज के समान है। उसे केवल जमा करना पर्याप्त नहीं। उसका अभ्यास, सही उपयोग और निरंतर देखभाल आवश्यक है।”

तीनों शिष्यों ने उस दिन समझा कि ज्ञान की वास्तविक परीक्षा उसके संग्रह में नहीं, जीवन में उसके उपयोग में है।

सीख: ज्ञान तभी सार्थक होता है, जब वह व्यवहार में उतरकर कुछ अच्छा उत्पन्न करे।



.....
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-24

सोचो... समझो... हल करो...

5	3							
7		8	6				9	
							8	7
			7				6	9
9	1		5		8			
		2		6			3	
			9	1				2
	8							
3							7	

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"जो व्यक्ति निरंतर प्रयास करता है, उसके लिए असंभव कुछ भी नहीं।"

— चाणक्य

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

8	3	9	2	8	7	6	4	1
7	2	8	6	4	1	3	9	5
1	6	4	3	9	5	2	8	7
5	5	3	7	2	4	1	8	9
9	1	8	5	3	6	7	2	4
4	7	2	1	8	9	6	3	5
6	4	7	9	1	3	5	6	2
2	5	6	4	7	8	9	1	3
3	9	1	5	6	2	4	7	8

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 6, श्लोक 16-17

नात्यश्रतस्तु योगोऽस्ति न चैकान्तमनश्रतः।

न चाति स्वप्नशीलस्य जाग्रतो नैव चार्जुन॥

युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।

युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा॥

सरल हिन्दी अर्थ:

हे अर्जुन! यह योग (जीवन का संतुलन और मानसिक शांति) न तो बहुत अधिक खाने वाले के लिए सिद्ध होता है और न बिल्कुल न खाने (उपवास रखने) वाले के लिए; न बहुत अधिक सोने वाले के लिए और न सदा जागते रहने वाले के लिए। जिसका खान-पान और दिनचर्या संतुलित है, जिसके कर्मों में उचित प्रयास (प्रयत्न) है, और जिसका सोने तथा जागने का समय नियमित है—उसी का योग समस्त दुःखों का नाश करने वाला बनता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ जीवन में मध्यम मार्ग (The Golden Mean / Balanced Lifestyle) का वैज्ञानिक और व्यावहारिक सिद्धांत देते हैं। वे न तो अति-भोग का समर्थन करते हैं और न ही शरीर को कष्ट देने वाले कठोर तप का:

- अति सर्वत्र वर्जयेत् (The Extremes are Destructive): किसी भी चीज़ की अति—चाहे वह काम का जुनून हो, अत्यधिक आराम हो, डाइटिंग का पागलपन हो या भोजन की अधिकता—शरीर और मन के संतुलन को बिगाड़ देती है।
- युक्त जीवनशैली (Sustainable Wellness): 'युक्त' का अर्थ है उचित, संतुलित और समयबद्ध। जब आपकी बुनियादी जैविक ज़रूरतें (आहार, नींद, शारीरिक गतिविधि और विश्राम) एक लय (Rhythm) में आ जाती हैं, तो तनाव और मानसिक विकार स्वतः समाप्त होने लगते हैं।

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏





मंडे पॉजिटिव

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडोसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोटसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेगी, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो एक नया पाठ्यक्रम है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदम शान्तिय
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैली है। इसका उद्देश्य है कि प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

जात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थानी पंचायत के राजकीय उत्कर्मित माध्य विद्यालय औरसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का ले
बुका प्रकाशन



श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले बच्चों में शेयर किया रिस्पांस अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में वेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वित् परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, खैरती के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रश्न शामिल हैं।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथ। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सहायक शैक्षिक पालक सम्मने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालक हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

■ यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बंटल रही शिक्षा का स्वरूप
■ शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका
भाषा कौशल, सामुदायिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनव्यवस्था बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पालक का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को एक टीम हिन्दू कुमार, सौर कुमार,



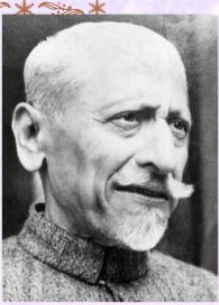
प्रखंड संसलन केंद्र बगहा दो - जगन्नाथ

राज, मनेज कुमार और मनेज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संकलन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

संस्कृतिक मॉडल से साक्षीगण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'संस्कृतिक मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रश्न जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बढ़ती है शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
संस्कृतिक रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संकलन पर विशेष और पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जगन्नाथ: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जगन्नाथ फोकस हो रही है।
शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सराका



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

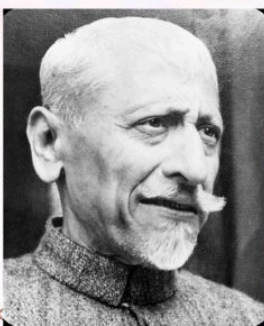
शिक्षा के अग्रदूत: मौलाना अबुल कलाम आज़ाद

प्यारे बच्चों, क्या आप जानते हैं कि हर साल 11 नवंबर को हमारे स्कूलों में 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' (नेशनल एजुकेशन डे) क्यों मनाया जाता है? क्योंकि इसी दिन आज़ाद भारत के पहले शिक्षा मंत्री का जन्मदिन होता है, जिन्होंने हर भारतीय बच्चे के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का सपना देखा और उसे साकार किया। वे थे प्रखर विद्वान और महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आज़ाद! मौलाना आज़ाद का जन्म 11 नवंबर 1888 को पवित्र नगर मक्का (सऊदी अरब) में हुआ था। उनका मूल नाम 'मुहीउद्दीन अहमद' था। उनके पिता मौलाना खैरुद्दीन एक प्रसिद्ध भारतीय विद्वान थे और माता आलिया बिंते मोहम्मद एक प्रतिष्ठित अरबी परिवार से संबंध रखती थीं। वर्ष 1890 में उनका परिवार भारत लौटकर कोलकाता में बस गया।

नन्हे मुहीउद्दीन बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने कम उम्र में ही अरबी, फ़ारसी, उर्दू, अंग्रेज़ी, दर्शनशास्त्र और गणित का गहन अध्ययन कर लिया था। जब वे मात्र बारह वर्ष के थे, तब उन्होंने 'नैरांग-ए-आलम' नाम की एक पत्रिका निकाली और ओजस्वी कविताएँ लिखने लगे। उनकी अद्भुत भाषण कला और ज्ञान को देखकर बड़े-बड़े विद्वान दंग रह जाते थे। अपने विचारों में पूरी तरह स्वतंत्र होने के कारण उन्होंने अपना उपनाम 'आज़ाद' रखा और उनके भाषणों के प्रभाव के कारण लोग उन्हें 'अबुल कलाम' (यानी वाणी के स्वामी) कहने लगे।

युवा अवस्था में मौलाना आज़ाद क्रांतिकारी अरविंद घोष और श्यामसुंदर चक्रवर्ती के संपर्क में आए। उन्होंने आज़ादी की अलख जगाने और हिंदू-मुस्लिम एकता को मजबूत करने के लिए 'अल-हिलाल' नामक प्रसिद्ध उर्दू साप्ताहिक पत्र शुरू किया। उनके लेख इतने प्रभावशाली और क्रांतिकारी होते थे कि अंग्रेज़ सरकार काँप उठी और उसने उनकी पत्रिका पर पाबंदी लगाकर उन्हें कई बार जेल में डाल दिया। इसके बावजूद वे कभी नहीं झुके। गांधीजी के संपर्क में आकर वे स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेता बने। मात्र 35 वर्ष की सबसे कम उम्र में वे 1923 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। 1940 से 1946 तक, 'भारत छोड़ो आंदोलन' के अत्यंत कठिन दौर में भी उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में देश का मार्गदर्शन किया। उन्होंने हमेशा धार्मिक एकता की पुरज़ोर वकालत की और देश के बँटवारे का डटकर विरोध किया।

1947 में आज़ादी के बाद वे स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री बने और लगातार ग्यारह वर्षों तक इस पद पर रहे। उनका मानना था कि कोई भी राष्ट्र बिना शिक्षा के आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने 14 वर्ष तक के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा की ठोस नींव रखी। उन्होंने उच्च शिक्षा और आधुनिक विज्ञान के विकास के लिए देश को 'आईआईटी' (IIT खड़गपुर), 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग' (UGC), 'संगीत नाटक अकादमी', 'ललित कला अकादमी' और 'साहित्य अकादमी' जैसी ऐतिहासिक संस्थाएँ दीं। राष्ट्र सेवा के लिए उन्हें 1992 में मरणोपरांत देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 22 फरवरी 1958 को इस महान शिक्षाविद् ने अंतिम साँस ली। प्यारे बच्चों, मौलाना आज़ाद का जीवन हमें सिखाता है कि विद्या ही जीवन का सबसे बड़ा धन है, हमेशा ज्ञान अर्जित करो और आपसी एकता व भाईचारे को दिल से निभाओ।



.....
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





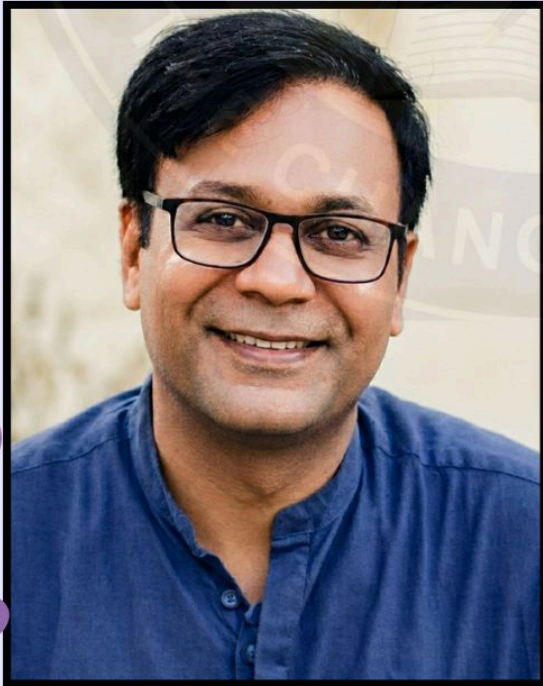
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

जीवन में कोई भी चरम सीमा टिकती नहीं है; स्थिरता संतुलन में ही है। अपने आहार, विचार, नींद और काम में संतुलन साधिए—यही संतुलन आपके समस्त शारीरिक और मानसिक कष्टों को मिटाने की अचूक औषधि है।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

